फ्लाइंग एंजल ➡ लंदन में रहकर सारे विश्व में बाबा ने सेवा करने का सौभाग्य प्रदान किया

बैकबोन होकर सेवाओं में आगे बढ़ाया

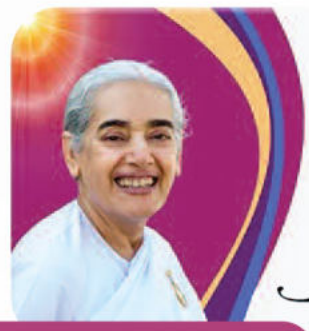

राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, अति. मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

मुझे आठ वर्ष की आयु में ही प्रथम बार बाबा से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बाबा का प्रेम सम्पन्न और रूहानियत भरा चेहरा देखते ही मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि ये मेरे ग्रैंडफादर हैं। फिर हम विदेश चले गए। 1966 में फिर दोबारा भारत में आने पर माउण्ट आबू में आये, तो उस समय बाबा के साथ मुलाकात रही। उस समय मेरी आयु थी 17 वर्ष की। तो उस समय बाबा ने बड़े प्यार से मुझे परमात्मा की याद में दृष्टि देते हुए कहा, बच्चे, तुम रूहानी शिक्षक बनेंगी। तो मुझे तो हिंदी इतनी आती नहीं थी। रूहानी शब्द का अर्थ क्या होता है वो भी मुझे मालूम नहीं था। तो मैं तो चुप रही। परंतु बाबा ने बड़े प्रेम से पालना दी। आत्मा क्या है, परमात्मा क्या है, वो धीरे-धीरे बाबा जब मुरली में समझाते रहे तो थोड़ा-थोड़ा कुछ समझ में आया। परंतु बाबा के नयन में कुछ ऐसी ईश्वरीय शक्ति थी कि बाबा जब आत्मा को देखते थे तो जैसे कि नयन के अंदर वो बिल्कुल एक आईने के रूप में आत्मा का पूरा साक्षात्कार हो जाता था कि मेरा आदि स्वरूप, अनादि स्वरूप क्या है। फिर कुछ वर्षों के बाद 1968 में मैं पूना में थी, तो मैंने बाबा को पत्र लिखा कि मैंने अपने जीवन के लिए यही सोचा है कि मुझे ईश्वरीय मार्ग पर ही चलना है। तो बाबा ने टेलीग्राम भेजा कि बच्चे आबू में आ जाओ तो बाबा बैठकर आपसे बात करेंगे। फिर हम जून मास में मधुबन आये। उस समय मेरी आयु 19 वर्ष थी। तो जब बाबा के सामने बैठे झोपड़ी में, तब बाबा ने पूछा, बच्चे, तुमने क्या सोचा है बाबा को बताओ। तो मैंने कहा, मुझे ये ईश्वरीय जीवन अपनानी है, तो बाबा मुझे देखते रहे और कहा कि बाबा पहले से ही जानते थे। तो उस घड़ी फिर मुझे वो स्मृति आई कि हाँ, कुछ वर्ष पहले ही बाबा ने ऐसे कहा था। जैसे कि बाबा मुझे एक नई जीवन देने के निमित्त बने।

एक रात्रि को बाबा ने कहा कि अच्छा बच्चे, रात्रि को क्लास के बाद हमारे पास आना। तो बाबा के कमरे के बाहर छोटा-सा आंगन था और मैं, दादी जानकी और ऐसी कुछ अन्य बहनें करीब हम 10 लोग बाबा के कमरे में वहाँ गये। गर्मी का समय था, बाबा की खटिया बाहर आंगन में ही डली हुई थी, उसकी चादर भी सफेद, बाबा के वस्त्र भी सफेद, बाबा का चेहरा भी बहुत चमक रहा था, बाबा के बाल भी सफेद, और आंगन में चंद्रमा चमक रहा था, तो वो रोशनी जो सब तरफ फैली हुई थी तो बाबा हरेक को देख रहे थे, और परमात्मा की याद में एक-एक को दृष्टि दे रहे थे। फिर बाबा ने मुझे पास में आने का इशारा किया तो मैं बाबा के नज़दीक गई। तो बाबा के तकिये के बाजू में काफी सारे सफेद चमेली के फूल थे। बाबा ने वो उठा करके मुझे हाथ में पकड़ाये। वो इतनी सुंदर खुशबू थी कि आज भी जब चमेली की खुशबू आती है तो मुझे वो पल याद आ जाता है। तो बाबा मुझे फूल देते दृष्टि देने लगे। और उस दृष्टि में मुझे ऐसे लगा कि जैसे मुझ आत्मा को कोई मैग्नेट की तरह आकर्षित करके कहीं बहुत-बहुत दूर एक यात्रा पर लेकर जा रहे हैं। बाबा की, परमात्मा की याद ऐसी थी जो मुझे भी परमात्मा की याद दिलाकर जैसे कि आत्मा को स्थूल वतन से खींच करके मुझे रोशनी की दुनिया, प्रकाश की दुनिया में ले गये। वहां पर ऐसे अनुभव रहा जैसे कि आत्मा का निराकार शिव परमात्मा के साथ बहुत समय से बिछड़ने के बाद मंगल मिलन हो रहा है। ये अनुभव कितने देर का था ये तो मैं बता नहीं सकती क्योंकि उस समय मैं जैसे कि टाइम और स्पेस से किसी दूसरे वतन में चली गई थी। कुछ समय के बाद लगा कि हाँ, इस स्थूल वतन में आ गये हैं। तो बाबा ने प्रश्न पूछा, किसी का संकल्प तो नहीं चल रहा कि बाबा इसको दृष्टि क्यों दे रहे हैं? तो फिर ध्यान गया कि बाबा की चारपाई के उस ओर दादी जानकी थीं और वो बहुत सुंदर रीति से अपनी कांध हिला रही थीं। तो वो जानती थीं कि अभी जैसे कि एक नया जन्म आरंभ हुआ। पुरानी दुनिया की समाप्ति और नये जीवन की आरंभ हुई। तब से लेकर फिर ऐसे ही लगा कि बाबा ने मुझे परमात्मा के कार्य के लिए एक नया जन्म दिया और फिर उसमें मुझे कैसे चलना होता, बाबा की मुरलियों के द्वारा वो शिक्षा भी प्राप्त होती रही।

उसके बाद दादी जानकी के साथ मुझे सारे विश्व में, पाँचों खंडों में बाबा ने ईश्वरीय सेवा के लिए कॉन्फ्रेंस, सम्मेलन आदि में भेजा। बाबा की शक्ति, बाबा की पालना और बाबा के डायरेक्शन अनुसार बाबा आज भी सेवा करा रहे हैं। बाबा ने एक बार मुझे कहा था 'फ्लाइंग एंजल'। संस्थान के ईश्वरीय सेवाओं की ओवरसीज़ सेवाओं के मुख्यालय लंदन में रहकर सारे विश्व में बाबा ने सेवा करने का सौभाग्य प्रदान किया। सच में मेरा आना एक दिन इस देश में, एक दिन दूसरे देश में, यही मेरा जीवन चलता आ रहा है।

मैं स्वयं को बहुत भाग्यशाली समझती हूँ कि बाबा ने मुझे हर सेवा करने का मौका दिया। ऐसे हमारे बाबा की पुण्य तिथि पर मैं उनका जितना भी शुक्रिया अदा करूं वो कम है। करनकरावनहार करा रहा है, खुद बैकबोन होकर बच्चों को आगे बढ़ा रहा है।

अहमदाबाद-ओधव(गुज.)। माननीय मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल का गुलाब की माला से स्वागत करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात व प्रसाद देते हुए ब्र.कु. कोकिला बहन।

वाडी-नागपुर(महा.)। इंद्रायणी नगर में ब्रह्माकुमारीज़ के 'शिवगंगा भवन' का उद्घाटन नागपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद के मुख्याधिकारी विजय देशमुख, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रदीप रायण्णावर, क्राइम ब्रांच के डीसीपी गजानन राजमाने, ब्र.कु. मनोहर ठाकरे, ब्र.कु. वैशाली ठाकरे, परतवाडा से ब्र.कु. लता बहन, नागपुर सेवाकेन्द्र की उपसंचालिका ब्र.कु. मनीषा बहन, कामठी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता बहन, रामटेक सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ललिता बहन, सावनेर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुरेखा बहन, वर्धा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. माधुरी बहन, कोराडी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला बहन, कलमेश्वर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.यशोदा बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. दमयंती बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र की उपसंचालिका ब्र.कु. शारदा बहन, जरीपटका सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. निलिमा बहन, ब्र.कु. प्रेमप्रकाश भाई, इंजीनियर प्रकाश तळेले आदि उपस्थित रहे।

जीरापुर-म.प्र.। दीपावली कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष विष्णु कुमार सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्ष हेमंत जोशी, पार्षद शंभू लाल वर्मा, भाजपा वरिष्ठ नेता रामेश्वर टांक, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष बलराम जी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नम्रता बहन तथा अन्य।

राजगढ़-म.प्र.। भाई दूज के अवसर पर एसडीएम जूही गर्ग को आत्मिक स्मृति का तिलक लगाते हुए ब्र.कु. सुमित्रा बहन।

राजकोट-गुज.। हैप्पी विलेज में 'गोल्डन हाउस' के भव्य उद्घाटन एवं प्रभु समर्पित ब्रह्माकुमारी बहनों के 121 माता-पिता के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, गुजरात ज़ोन डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, ब्र.कु. अमर बहन, माउंट आबू से ब्र.कु. नितिन भाई, ब्र.कु. डॉ. विवेक भाई तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

रीवा-म.प्र.। अखिल भारतीय सर्वोच्च ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विमल दुबे द्वारा समाज सेवा एवं मानवता के कल्याण हेतु ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में नगर पालिका निगम रीवा के नवनिर्वाचित महापौर अजय मिश्र बाबा, मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे, हिंदू उत्सव समिति के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी, अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय महासचिव लालजी प्रसाद मिश्र, एमआईसी मेम्बर धनेंद्र सिंह बघेल, नगर निगम रीवा के मुख्य पार्षदगण, मीडिया के वरिष्ठ पत्रकारगण व अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे।

भुज-गुज.। सड़क सुरक्षा बाइक रैली का शुभारंभ करते हुए विनोद भाई सोलंकी,समाज रतन, सतीश भाई,प्रमुख,कच्छ जिला लिग्नाइट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, नवघन आहीर,प्रमुख,कच्छ जिला ट्रक एसोसिएशन, शैलेंद्र भाई,प्रमुख,लायंस क्लब, ब्र.कु.हर्षा बहन,शिवमणि, ब्र.कु. रीना बहन, ब्र.कु. बाबू भाई, ब्र.कु. शैलेष भाई तथा अन्य।

जबलपुर-म.प्र.। जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सेंटर ऑफ एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग में 'नैचुरल फार्मिंग की चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर ब्र.कु. वर्षा बहन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ब्र.कु. साधना बहन, डॉ. अरजरिया,सीनियर वैज्ञानिक,कृषि क्षेत्र सहित मृदा के वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

मरोली-गुज.। श्री लक्ष्मी की चैतन्य झाँकी का उद्घाटन करने के पश्चात् उपस्थित हैं राहुल पटेल,पूर्व तालुका पंचायत अध्यक्ष बीजेपी, बाबू भाई पटेल,व्यापारी तथा ब्र.कु. मुकेश बहन।